भीलवाड़ा में कथित तौर पर इंजेक्शन लगाने के बाद कॉलेज छात्रा की मौत

परिजनों का आरोप है कि एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा गलत इंजेक्शन लगाया गया था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां कथित तौर पर एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा गलत और लापरवाहीपूर्वक इंजेक्शन लगाए जाने से 17 वर्षीय कॉलेज छात्रा की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने जिला कलैक्टर को

- **मृतका के परिजनों ने कलैक्टर को परिवाद सौंपकर आरोपी मेडिकल संचालक के खिलाफ हत्या के समान धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की**



उग्र भीड़ में शामिल लोगों ने मेडिकल स्टोर पर पथराव करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया।



मृतक छात्रा का फाइल फोटो।

परिवाद सौंपकर आरोपी मेडिकल संचालक के खिलाफ हत्या के समान धाराओं में मामला दर्ज करने और उसका लाइसेंस निरस्त करने की पुरजोर मांग की है।

प्रार्थी राजेश मेहता पुत्र प्रकाशचंद मेहता निवासी सुभाषनगर, भीलवाड़ा ने जिला कलैक्टर को दी गई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 17 वर्षीय भतीजी प्राची मेहता पुत्री राकेश मेहता कॉलेज में अध्ययनरत थी। गत 11 नवंबर को प्राची को हल्की बुखार की शिकायत होने पर वे उसे शाम करीब 5 बजे सुभाषनगर डिस्पेंसरी ले गए थे, लेकिन डिस्पेंसरी बंद मिलने के कारण वे पास ही स्थित लव-कुश मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गए। परिवाद के अनुसार, मेडिकल संचालक रामप्रसाद शर्मा ने गोली देने से इनकार करते हुए कहा कि "गोली से आराम मिलने में टाइम लगेगा, मैं बच्ची के इंजेक्शन लगा देता हूँ, तुरंत आराम मिल जाएगा।" परिजनों के बार-बार मना करने और केवल गोली मांगने के बावजूद, संचालक ने उन्हें विश्वास में लेकर प्राची के इंजेक्शन लगा दिया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद प्राची के कूल्हे पर सूजन आ गई, तेज दर्द होने लगा और लगातार बेचैनी बढ़ने लगी। अगले दिन 12 नवंबर शाम को परिजन उसे रामस्नेही हॉस्पिटल ले गए, जहाँ से दवा देकर घर भेज दिया गया, लेकिन रात करीब 12 बजे प्राची के पैर में सूजन और कालापन तेजी से बढ़ने लगा। दोबारा रामस्नेही अस्पताल दिखाने पर फिर से केवल दवा देकर घर भेज दिया गया। हालात लगातार गंभीर होने पर 13 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे प्राची को पुन: रामस्नेही अस्पताल दिखाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उदयपुर के गीतांजली हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया।

परिजन उसे एम्बुलेंस से लेकर दोपहर करीब दो बजे गीतांजली अस्पताल पहुँचे, जहाँ इलाज के दौरान शाम करीब चार बजे प्राची ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि आज से दो-तीन वर्ष पूर्व भी इसी मेडिकल संचालक रामप्रसाद शर्मा द्वारा सुभाषनगर (मलाण) निवासी राजू बलाई को गलत इंजेक्शन लगाने के कारण उनकी भी मौत हो गई थी। आरोप है कि उस समय भी वह खुद को भाजपा का वरिष्ठ कार्यकर्ता बताकर कानूनी कार्रवाई से बच निकला था, जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। पीड़ित परिवार ने सवाल उठाया है कि जब किसी भी मेडिकल संचालक को बिना किसी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन (स्लीप) के इंजेक्शन लगाने का कोई अधिकार नहीं है, तो ऐसे अयोग्य व्यक्ति खुलेआम मरीजों की जान से क्यों खिलवाड़ कर रहे हैं? परिजनों ने जिला प्रशासन से तत्काल प्रभाव से लव-कुश मेडिकल का लाइसेंस रद्द करने और आरोपी रामप्रसाद शर्मा के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। आक्रोशित भीड़ में कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया और देखते ही देखते उग्र भीड़ में शामिल लोगों ने मेडिकल स्टोर पर पथराव करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद मौके पर गहमागहमी का माहौल हो गया और पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए भीड़ को मौके से खदेड़ दिया।

अजमेर के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत पर हंगामा

आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया

अजमेर, (निसं)। शहर के पंचशील क्षेत्र स्थित क्षेत्रपाल अस्पताल में उपचार के दौरान एक महिला मरीज की मौत के बाद शनिवार को जमकर हंगामा हो गया। महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलने पर किशनगढ़ से वार्ड पार्षद सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने मृतका के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हंगामे और विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना प्रभारी शंभू सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं कृष्णगंज थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची।

- **सीसीटीवी फुटेज दिखाने और उच्चस्तरीय जांच की मांग पर अड़े परिजन, दोषी चिकित्सक व नर्सिंगकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की**

पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे।

परिजनों का कहना है कि महिला की मौत के पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए। इसके साथ ही उपचार के दौरान अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज उन्हें दिखाई जाए, ताकि घटना की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। परिजनों ने उपचार में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित चिकित्सक और नर्सिंग कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की।

दूसरी ओर क्षेत्रपाल अस्पताल के चिकित्सक ने परिजनों की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए अस्पताल की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही किए जाने से इनकार किया। चिकित्सक का कहना है कि उपचार में अस्पताल की कोई लापरवाही नहीं हुई है। देर शाम तक तक पुलिस अधिकारी मृतका सुमित्रा देवी के परिजनों से समझाइश कर रहे थे। वहीं परिजन जांच और कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए थे।

मूंगफली प्रोसेसिंग की फैक्टरी से 250 क्विंटल माल चोरी

सीकर, (निसं)। सीकर में मूंगफली प्रोसेसिंग की फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों ने 250 क्विंटल माल चोरी कर लिया। मालिक के फैक्टरी में नहीं आने पर कर्मचारियों ने इसका फायदा उठाया। अब मालिक ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया है।

- **मालिक के फैक्टरी में नहीं आने पर कर्मचारियों ने इसका फायदा उठाया, मामला दर्ज**

सांगलिया निवासी रमेश कुमार मिश्रा (61) ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर बताया कि मेरी सीकर में नाथावतपुरा के पास गोपाल फूड एग्रो के नाम से मूंगफली प्रोसेस की फैक्टरी है।

मां के बीमार रहने और देहांत होने के कारण पिछले 2 महीने से फैक्टरी पर जाना कम कर दिया था। इसका फायदा उठाकर फैक्टरी पर मशीन ऑपरेटिंग का काम करने वाले सद्दाम, ठेकेदार रामस्वरूप, नरसीराम सहित 7-8 अन्य लोगों ने मिलकर फैक्टरी के सीसीटीवी कैमरे बंद करके मूंगफली को बेच दिया। अब फैक्टरी में रखे गए स्टॉक को देखा तो 250 क्विंटल माल कम मिला। इन लोगों के द्वारा कई बार में इस माल को गायब किया गया। सदर थाना पवन कुमार चौबे का कहना है कि मामले में तीनों लोगों को डिटेन किया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

हैड कांस्टेबल ने नहर में डूब रहे युवक की जान बचाई

कोटा, (निसं)। शहर के बोरखेड़ा थाने में तैनात हैड कांस्टेबल द्वारा शुक्रवार रात्रि को जान पर खेलकर नहर में डूब रहे युवक की जान बचाने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि बोरखेड़ा इलाके के स्टील ब्रिज के नजदीक युवक के नहर में डूबने की सूचना पर मौके पर पहुंचे हैड कांस्टेबल राजाराम ने त्वरित कार्रवाई एवं साहस का परिचय देते हुए चंबल की दांई मुख्य नहर में छलांग लगा दी एवं डूब रहे युवक को बाहर निकाला।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा थाने पर परिवादी कमलजीत सिंह बरार ने सूचना दी कि उनके परिजन राजा सिंह बरार (36) सुबह कार से घर से गुमानपुरा जाने की कहकर निकले थे, लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे और दोपहर से उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। शहर एसपी ने बताया कि परिवादी की सूचना पर पुलिस टीम ने गुमशुदा की तलाश हेतु कंट्रोल रूम के माध्यम से जिले के समस्त थानों को सूचित कर सघन तलाश शुरू की, शहर एसपी ने बताया कि मामले में परिवादी ने शुक्रवार देर रात्रि को पुलिस को सूचना दी कि राजा सिंह बरार स्टील ब्रिज के समीप चंबल की दाई मुख्य नहर में तेज बहाव मे बहता हुआ नजर आया है, सूचना मिलते ही थाना बोरखेड़ा की चेतक पर तैनात प्रभारी हेड कांस्टेबल राजाराम जिनकी लोकेशन स्टील ब्रिज के पास ही थी, बिना कोई समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंचे, जहाँ राजा सिंह बरार नहर के तेज बहाव में बहते हुए नजर आया, मौके पर काफी अंधेरा था उसके बाद भी हैड कांस्टेबल राजाराम ने सीधे नहर के तेज पानी में छलांग लगा दी। कड़ी मशक्कत के बाद राजाराम ने बहते हुए युवक को नियंत्रित किया और थेगड़ा शिव मंदिर के पास नहर से बाहर निकाला।

नकदी और सामान चोरी

अजमेर, (निसं)। अजमेर शहर में कोतवाली थाना क्षेत्र के नया बाजार में बीती रात अज्ञात चोरों ने बादशाह बिल्डिंग के पास स्थित एक पान की केबिन को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए की नकदी और महंगी सिगरेट के पैकेट चोरी कर लिए। सुबह जब दुकानदार केबिन पर पहुंचा तो चोरी की वारदात का पता चला। दुकानदार ने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। दुकानदार का कहना है कि जिस स्थान पर केबिन लगी हुई है, उसके आसपास सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। इसके बावजूद चोरों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

चार किलो अफीम जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 4.317 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति अजमेर जिले के बांदनवाड़ा में नेशनल हाइवे-48 पर स्थित फतेह इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास मोटरसाइकिलों के जरिए अवैध अफीम ले जाने वाले हैं। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम ने कड़ी निगरानी के बाद, संदिग्ध मोटरसाईकिलों और व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें अजमेर जिले के बांदनवाड़ा में नेशनल हाइवे-48 पर स्थित पेट्रोल पंप के पास रोक लिया गया। मौके पर मौजूद टीम ने तलाशी ली तो तलाशी के दौरान 3 पॉलीथीन पैकेटों में छिपाकर रखी गई 4.317 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। टीम ने मौके पर मौके पर मिले अवैध मादक पदार्थ व मोटरसाईकिलों को जब्त किया, साथ ही एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

मकान से 26 किलो अवैध डोडा-पोस्त बरामद

जोधपुर, (कासं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जोधपुर पश्चिम की डीएसटी और झंवर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हेमनगर जोलियाली निवासी एक व्यक्ति के मकान से 25 किलो 970 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने मौके से आरोपी बुधाराम (50) पुत्र खिंयाराम विश्नोई (बेनीवाल) को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को झंवर थाना पुलिस की टीम गश्त पर थी। इस बीच डीएसटी पश्चिम के प्रभारी महादेव प्रसाद ने सूचना दी कि हेमनगर जोलियाली निवासी बुधाराम के मकान में अवैध डोडा-पोस्त रखा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल आरोपी के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान वहां से 25.970 किलो डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

युवक का शव पानी में मिला

उदयपुर, (कास)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सोम नदी में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जवास स्थित सोम नदी में शव देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही खेरवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया। इसके बाद खेरवाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मोर्चरी में रखवाया। खेरवाड़ा थानाधिकारी मनमंथ आढ़ा ने बताया कि यह शव का पहचान सामितेड निवासी नारायण मीणा के रूप में हुई। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के बाद मृतक की पहचान कर उसके परिवार वालों को घटना की जानकारी दी गई है। पुलिस ने बताया कि मृतक नारायण मीणा का घर सोम नदी के पास ही स्थित है।

चिराना फायरिंग कांड में प्रयुक्त पिस्टल बरामद

गोठड़ा/ झुंझुनूं, (निसं)। जिले के गोठड़ा थाना क्षेत्र के चिराना गांव में फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में गोठड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात में प्रयुक्त देशी पिस्टल बरामद कर जब्त की है। पुलिस ने यह हथियार प्रकरण में नामजद आरोपी किशाल उर्फ विशाल की निशानदेही पर बरामद किया। इस कार्रवाई से मामले में अनुसंधान के दौरान एक साक्ष्य जुटाया गया है।

झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में गोठड़ा थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 8 फरवरी 2024 को परिवादी मनोज कुमार कल्याण ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम करीब आठ बजे वह अपने भतीजे के बुक डिपो पर बैठा हुआ था। इसी दौरान किशाल और मोहित वहां पहुंचे तथा उसके साथ बहस करने लगे। इसी बीच किशाल ने उस पर फायरिंग कर दी। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था। प्रकरण के अनुसंधान के दौरान गोठड़ा थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने एफआईआर में नामजद एवं घटना में शामिल आरोपी किशाल उर्फ विशाल पुत्र बल्लूराम की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त देशी पिस्टल बरामद कर जब्त की।

दिव्यांग जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ निभा रहे लोकतंत्र का फर्ज

जयपुर। हौसले बुलंद हों तो शारीरिक चुनौतियां भी कर्तव्य के रास्ते में बाधा नहीं बन सकतीं। इसका जीवंत उदाहरण पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के दौरान पंचायत समिति मसूदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिखरानी स्थित मतदान केंद्र पर देखने को मिला। यहां जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ अपने दाहिने हाथ से दिव्यांग होने के बावजूद पूरे उत्साह, सजगता और जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन करते नजर आए।



रामप्रसाद जांगिड़ ने शारीरिक चुनौती के बावजूद मतदान केंद्र पर पूरी मुस्तैदी से व्यवस्थायें संभाली।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलैक्टर कमल राम मीना के निर्देशन में ब्यावर जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन तंत्र पूरी मुस्तैदी से जुटा हुआ है। जिला कलक्टर द्वारा निर्धारित व्यवस्थाओं और सतत निगरानी के बीच जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ भी अपनी जिम्मेदारी पूरी प्रतिबद्धता से निभा रहे हैं।

बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं का बढ़ाया उत्साह, मतदान के लिए किया प्रेरित :-शिखरानी मतदान केंद्र पर जांगिड़ केवल व्यवस्थाओं की निगरानी तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मतदान के लिए पहुंच रहे बुजुर्ग मतदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित भी करते रहे। उनकी सक्रियता, सहज व्यवहार और कर्तव्य के प्रति समर्पण मतदान केंद्र पर विशेष रूप से दिखाई दिया।

जिला कलैक्टर कमल राम मीना के नेतृत्व एवं निर्देशन में जिले के निर्वाचन अधिकारी और कार्मिक मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता की एक प्रेरक तस्वीर रामप्रसाद जांगिड़ के रूप में सामने आई है, जो अपनी शारीरिक चुनौती को पीछे छोड़ निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों का पूरी कर्मठता से निर्वहन कर रहे हैं। रामप्रसाद जांगिड़ की कार्यशैली यह दर्शाती है कि किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसके संकल्प, समर्पण और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होना चाहिए। पंचायती राज आम चुनाव-2026 में उनका योगदान कर्तव्यनिष्ठा और समावेशी लोकतंत्र की भावना का प्रेरक उदाहरण है।

'पुष्कर में थार जीप चलाने पर सख्त कार्रवाई होगी, मुकदमा भी दर्ज होगा'

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में आगामी मेले एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए शनिवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता उपखंड अधिकारी गुरुप्रसाद तंवर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लालचंद कयाल ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि पुष्कर में थार जीपों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। यदि कोई थार जीप चलाते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि थार जीपों के कारण पशु बिदक रहे हैं और कई लोग घायल भी हो चुके हैं।



पुष्कर में आगामी मेले एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए एसडीएम और अति. पुलिस अधीक्षक ने बैठक ली।

- **अधिकारियों ने बताया कि थार जीपों के कारण पशु बिदक रहे हैं और कई लोग घायल भी हो चुके हैं**

बैठक में बाजारों में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर भी चर्चा हुई। प्रशासन ने स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों से अतिक्रमण हटाने में सहयोग मांगा, जिस पर उपस्थित लोगों ने पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने प्रवेश-पत्रों को लेकर स्पष्ट किया कि जिन लोगों को वास्तव में आवश्यकता है, वे ही प्रवेश-पत्र के लिए आवेदन करें। अनावश्यक रूप से प्रवेश-पत्र नहीं लिए जाएं, क्योंकि भीड़ के दौरान वैसे भी चार पहिया वाहनों का संचालन संभव नहीं होता। उन्होंने बताया कि अजमेर से आने वाले प्रशासन एवं पुलिस के सभी वाहन देवनगर पार्किंग में खड़े किए जाएंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर ने शहर में जगह-जगह सूचना पट्ट लगाने की मांग रखी। इस पर नगर परिषद आयुक्त रेखा जेसवानी ने दो दिन में सूचना पट्ट लगवाने का आश्वासन दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लालचंद कयाल ने आयुक्त से ब्रह्मा मंदिर के आसपास हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए एक चलती-फिरती निगरानी गाड़ी तैनात करने की बात कही। साथ ही पुष्कर थाना अधिकारी को निर्देश दिए कि अतिक्रमण करने वाले लोग नहीं मानें तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को परेशानी नहीं हो। उन्होंने ब्रह्मा मंदिर के सामने मेज-कुर्सियां लगाकर प्रसाद बेचने पर रोक लगाने तथा मंदिर की दीवारों को नुकसान पहुंचाने वाले बिंदी विक्रेताओं पर भी कार्रवाई करने की बात कही।

बैठक में तीर्थ पुरोहित संघ की ओर से पुलिसकर्मियों एवं कर्मचारियों को जूते-चप्पल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया, ताकि घाटों के किनारे जूते पहनकर जाने की समस्या का समाधान हो सके। इस विषय पर अभी चर्चा जारी है। बैठक में पूर्व पार्षद महेश पाराशर, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, पवन पाठक, घीसूलाल पाराशर, विकास पाराशर, कमल अग्रवाल, जीप सफारी संघ अध्यक्ष, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष रघु पारीक, दिलीप शर्मा, कन्हैया पाराशर, संदीप छीपा सहित कई व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चेतक एक्सप्रेस में लावारिस ट्रॉली बैग में दस किलो डोडा-चूरा मिला

अजमेर, (निसं)। अजमेर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी का मामला सामने आया है। गाड़ी संख्या 20474 चेतक एक्सप्रेस में लावारिस हालत में मिले एक ट्रॉली बैग से 10 किलो 100 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया है। बैग में मादक पदार्थ मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेनों में तस्करी की गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि तस्कर पुलिस की मौजूदगी और जांच के डर से मादक पदार्थ से भरा बैग ट्रेन में ही छोड़कर फरार हो गया। फिलहाल बैग किस यात्री का था और मादक पदार्थ कहां से लाया गया था, इसका पता नहीं चल पाया है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस को देखकर तस्कर के बैग छोड़कर फरार होने की आशंका**

जानकारी के अनुसार अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर उपनिरीक्षक शुभम ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान गाड़ी संख्या 20474 चेतक एक्सप्रेस के एस्कॉर्टिंग स्टाफ के हैड कांस्टेबल मनीष कुमार तिवाड़ी ने उन्हें एक कॉफी रंग का ट्रॉली बैग सौंपा। हैड कांस्टेबल ने बताया कि ट्रेन में एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान नसीराबाद और अजमेर रेलवे स्टेशन के बीच एस-7 कोच की गैलरी में यह बैग लावारिस हालत में पड़ा मिला था। काफी देर तक बैग के मालिक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलने और उसकी स्थिति संदिग्ध लगने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने संदिग्ध ट्रॉली बैग को अपने कब्जे में लेकर उसकी चेन खोलकर तलाशी ली तो अंदर मादक पदार्थ बरामद हुआ। जांच में बैग से डोडा-चूरा मिला। बैग में रखी सामग्री का कुल वजन 12 किलो 950 ग्राम बताया गया, जिसमें डोडा-चूरा का वजन 10 किलो 100 ग्राम पाया गया। मादक पदार्थ को इस तरह बैग में रखकर ट्रेन के कोच में छोड़ने की घटना से आशंका है कि कोई व्यक्ति इसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की फिराक में था।

पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति बिना किसी वैध लाइसेंस और अनुमति के डोडा-चूरा लेकर यात्रा कर रहा था। एस्कॉर्टिंग स्टाफ की नजर बैग पर पड़ने और पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद आरोपी बैग को छोड़कर फरार हो गया। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बैग किसने ट्रेन में रखा था और उसका गंतव्य कहां था। घटना के बाद राजकीय रेलवे पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बैग किस यात्री का था और चेतक एक्सप्रेस में इसे किस स्थान से रखा गया था। साथ ही तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।